Title: Need to approve Mogra irrigation project in Madhya Pradesh.

श्री मोतीलाल वोरा (राजनांदगांव): सभापति महोदय, मध्य प्रदेश के राजनंदगांव जिले की शिवनाथ नदी पर ९००० हैक्टेयर भूमि पर अतिरिक्त सिंचाई की क्षमता निर्मित करने वाली मोगरा सिंचाई परियोजना केन्द्रीय जल आयोग एवं पर्यावरण विभाग में पिछले दस वर्षों से लम्बित है। मध्य प्रदेश शासन के इस परियोजना को स्वीकृत कराने के सारे प्रयास विफल रहे हैं। यह परियोजना आदिवासी बाहुल्य अम्बागढ़ चौकी तहसील से दस किलोमीटर पश्चिम की ओर प्रस्तावित है। परियोजना की अनुमानित लागत ९२ करोड़ २४ लाख रुपए है। इससे राजनांदगांव को जल आपूर्ति के अतिरिक्त चौकी एवं डोंगर गांव के ९५ गांवों को सिंचाई उ पलब्ध हो सकेगी। मोगरा परियोजना सिंचाई के सिवाय राजनंदगांव भिलाई इस्पात संयंत्र, दुर्ग शहर और यूरेनियम संयंत्र को जल आपूर्ति कर सकेगी। बताया गया है कि केन्द्रीय जल आयोग नई दिल्ली के सात संचालनालयों द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है तथा पांच संचालनालयों से अपेक्षित है। सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने हेतु २३८.५३ लाख के प्राकलन पुनः प्रशासकीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु भेजे जा चुके हैं। मोगरा सिंचाई परियोजना के अनेक वर्षों से लंबित रहने के कारण क्षेत्र में सिंचाई की मांग निरन्तर बढ़ती जा रही है। इसको लेकर किसानों में गहरा असंतोष व्याप्त है। मध्य प्रदेश की अनेक सिंचाई परियोजनाएं वन एवं पर्यावरण ि वभाग में लम्बित हैं जिन्हें शीघ्र स्वीकृति प्रदान किया जाना आवश्यक है।